प्राचीन मिस्र की सभ्यता पर संक्षिप्त टिप्पणी
(Short Notes on Ancient Egyptian Civilization)
परिचय (Introduction):
प्राचीन मिस्र की सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन, स्थायी और प्रभावशाली सभ्यताओं में से एक थी। यह सभ्यता नील नदी (Nile River) के किनारे विकसित हुई, जिसकी वार्षिक बाढ़ ने भूमि को अत्यंत उपजाऊ बना दिया। इसी कारण मिस्र को प्राय: “नील की देन” (Gift of the Nile) कहा जाता है।
मुख्य तथ्य और कालखंड (Key Facts & Periods):
स्थान और जीवनरेखा: मिस्र की सभ्यता नील नदी के तट पर केंद्रित थी। नदी की नियमित बाढ़ से भूमि में उर्वरता आती थी, जिससे कृषि का विकास हुआ और समृद्ध समाज बना।
एकीकरण (Unification): लगभग 3150 ईसा पूर्व ऊपरी और निचले मिस्र का एकीकरण राजा मेनिस (Menes) या नारमर (Narmer) द्वारा किया गया, जिससे प्रारंभिक राजवंशीय काल (Early Dynastic Period) की शुरुआत हुई।
शासन व्यवस्था (Government): मिस्र पर फेरो (Pharaoh) का शासन था, जिन्हें जीवित देवता माना जाता था। उन्हें देवता होरस (Horus) का धरती पर अवतार समझा जाता था, और उनके पास धार्मिक व राजनीतिक दोनों ही शक्तियाँ थीं।

ऐतिहासिक विभाजन (Historical Divisions): मिस्र के इतिहास को तीन स्थिर कालखंडों—प्राचीन साम्राज्य (Old Kingdom), मध्य साम्राज्य (Middle Kingdom) और नवीन साम्राज्य (New Kingdom)—में बाँटा गया है, जिनके बीच अंतराल काल (Intermediate Periods) अस्थिरता के समय माने जाते हैं।
प्राचीन साम्राज्य (2686–2181 ई.पू.): "पिरामिड युग" के रूप में प्रसिद्ध, इसी काल में गीज़ा (Giza) के महान पिरामिड और स्फिंक्स का निर्माण हुआ।
नवीन साम्राज्य (1550–1070 ई.पू.): मिस्र की शक्ति का "स्वर्ण युग", जब तुतनखामुन (Tutankhamun), थुतमोस तृतीय (Thutmose III) और रामेसेस द्वितीय (Ramesses II) जैसे महान शासक हुए।
मिस्र का पतन (End of Ancient Egypt): 30 ईसा पूर्व क्लियोपेट्रा सप्तम (Cleopatra VII) की मृत्यु के बाद रोमन साम्राज्य द्वारा मिस्र पर अधिकार कर लिया गया, जिससे प्राचीन मिस्र की सभ्यता का अंत माना जाता है।
संस्कृति और उपलब्धियाँ (Culture & Achievements):
धर्म (Religion): मिस्रवासी बहुदेववादी (Polytheistic) थे। वे अनेक देवताओं और देवियों की पूजा करते थे, जैसे—रा (Ra), ओसिरिस (Osiris), आइसिस (Isis), और अनूबिस (Anubis)। धर्म जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से गहराई से जुड़ा था।

परलोक में विश्वास (Belief in Afterlife): मिस्रवासियों का दृढ़ विश्वास था कि मृत्यु के बाद भी जीवन है। इसी कारण उन्होंने ममीकरण (Mummification) की प्रथा विकसित की और मृतकों के लिए विशाल पिरामिडों तथा कब्रों का निर्माण किया ताकि उन्हें परलोक में आवश्यक वस्तुएँ मिल सकें।

लेखन प्रणाली (Writing System): मिस्र में चित्रलिपि (Hieroglyphics) का विकास हुआ, जो बाद में हाइरेटिक (Hieratic) और डेमोटिक (Demotic) लिपियों में परिवर्तित हुई। वे पपायरस (Papyrus) नामक कागज पर लिखते थे।

वास्तुकला और कला (Architecture & Art): मिस्रवासियों ने विशाल पिरामिडों, मंदिरों और स्तंभों (Obelisks) का निर्माण किया। उनकी कला में प्रतीकात्मकता, अनुशासन और धार्मिक आदर्शों का गहरा प्रभाव दिखाई देता है।

सामाजिक संरचना (Social Structure): समाज अत्यंत वर्गीकृत था—सबसे ऊपर फेरो, उसके बाद अधिकारी, पुरोहित, लेखक (Scribes), शिल्पकार, किसान और सबसे नीचे मजदूर व दास (Slaves)।

वैज्ञानिक उपलब्धियाँ (Scientific Developments): मिस्रवासियों ने कैलेंडर प्रणाली, ज्यामिति (Geometry), इंजीनियरिंग और चिकित्सा विज्ञान में उल्लेखनीय प्रगति की।